



Teena Mirchandani

17 Jul 1988

Model: Numerology-Report

Order No: 119504301

अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 119504301

Date: 19/09/2025

नाम	Teena Mirchandani
जन्म तिथि	17/07/1988
मूलांक	8
भाग्यांक	5
नामांक	7
मूलांक स्वामी	शनि
भाग्यांक स्वामी	बुध
नामांक स्वामी	नेप/केतु
मित्र अंक	1, 4, 5
शत्रु अंक	3, 6
सम अंक	2, 7, 9
मुख्य वर्ष	1997,2006,2015,2024,2033,2042,2051,2060
शुभ आयु	9,18,27,36,45,54,63,72
शुभ वार	शनि, रवि, सोम
शुभ मास	जन, अप्रै, अग
शुभ तारीख	8, 17, 26
शुभ रत्न	नीलम
शुभ उपरत्न	जमुनिया,लाजवर्त
अनुकूल देव	भैरव
शुभ धातु	लौह
शुभ रंग	काला
मंत्र	ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः
शुभ यंत्र	राहु यंत्र

13	8	15
14	12	10
9	16	11



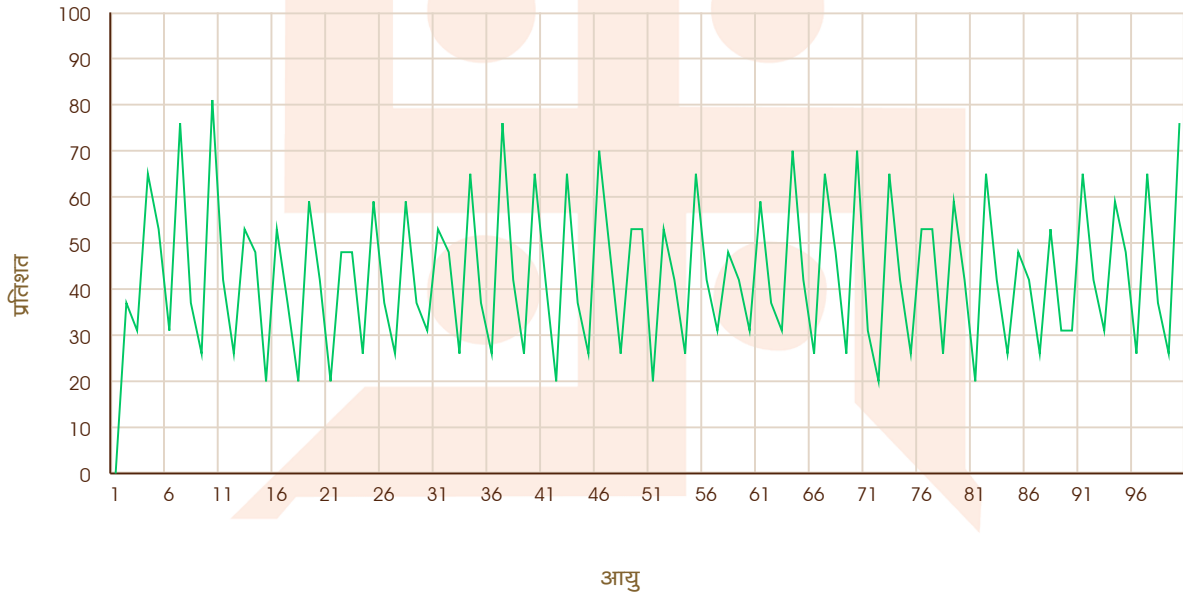
FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंकों से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 1997,2006,2015,2024,2033,2042,2051,2060

शुभ आयु 9,18,27,36,45,54,63,72

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 17 है। एक एवं सात के योग से आपका मूलांक 8 होता है। आठ मूलांक का स्वामी शनि है। अंक एक का सूर्य तथा सात का भारतीय मत से केतु एवं पाश्चात्य मत से नेपच्यून है। इन तीनों ग्रहों का प्रभाव आपके जीवन में दृष्टिगोचर होगा। मूलांक 8 के स्वामी शनि प्रभाव से आपकी उन्नति धीरे-धीरे होगी। आपके जीवन में संघर्ष अधिक रहेंगे एवं प्रत्येक कार्य को प्रारम्भ करने के बाद अवरोध आयेंगे। जिन्हें आप मेहनत एवं धैर्य से पार कर उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेंगी।

निराशा एवं आलस्य दो अवगुण आपकी प्रगति के बाधक रहेंगे। अतः किसी भी कार्य की असफलता से निराश न हों तथा दुबारा प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी। कार्य में कर्म के सिद्धांत को मानते हुये आलस्य से दूर रहना सफलता की कुंजी रहेगा। अंक एक के स्वामी सूर्य एवं सात के केतु या नेपच्यून के प्रभाव से आपकी कल्पना शक्ति, विचार शक्ति अच्छी रहेगी। आप में दूसरों को समझने की शक्ति अच्छी होगी। अतीन्द्रिय ज्ञान भी अच्छा रहेगा। सूर्य प्रभाव से आपका नाम स्थायी प्रसिद्धि को प्राप्त करेगा। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में आपको यश तथा लाभ प्राप्त होगा।

उच्च वर्ग में आप लोकप्रिय होंगी एवं उच्चवर्ग से लाभ प्राप्त करेंगी। आपकी इच्छा शक्ति दृढ़ रहेगी एवं अपनी बात पर अडिग रहने की प्रवृत्ति आप में पाई जायेगी। आप थोड़ी हठी होंगी। हठ की यह प्रवृत्ति यदाकदा आपको हानि भी पहुँचायेगी। अतः जहाँ तक हो सके आप अपने हठ पर सन्तुलन रखें एवं क्रोध पर नियंत्रण रखें। सूर्य केतु शनि ग्रहों के प्रभाव से आप अपने जीवन में एक सफल महिला होंगी। आपकी ख्याति अच्छी रहेगी तथा दूसरों के लिये उदाहरण का कार्य करेंगी।

भाग्यांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह होने से आपका भाग्योदय स्व-बुद्धि विवेक द्वारा होगा। बुध वाणिज्य, व्यावसायिक कला का दाता है। गणित, लेखन, शिल्प, चिकित्सा, लेखा कार्यों में अच्छी प्रगति प्रदान करेगा। आपके अन्दर व्यापारिक कला अच्छी विकसित होगी। वाक् पटुता, तर्कशक्ति, बहुत बोलने की आदत रहेगी। आप रोजगार के क्षेत्र में नित नई स्कीम बनायेंगी जो आपकी तरक्की का मार्ग प्रशस्त करेंगी। वाणिज्य कला में आप काफी निपुण रहेंगी एवं रोजमर्रा के कार्यों को फुर्ती से पूर्ण करेंगी। दूसरों से कार्य निकलवाने में आप निपुण रहेंगी।

आपकी व्यावसायिक बुद्धि होने से धन संग्रह की ओर आप अधिक आकृष्ट रहेंगी एवं आवश्यकतानुसार वक्त-वे-वक्त के लिए धन एकत्रित करेंगी। आर्थिक क्षेत्र में आपकी स्थिति मध्यमोत्तम श्रेणी की रहेगी। कानून का आपको ठीक ज्ञान रहने से आप कार्यक्षेत्र में सभी कार्यों को बखूबी निभायेंगी तथा सामने वाले आपके ज्ञान के आगे नत-मस्तक होंगे।

आपका मूलांक 8 है तथा भाग्यांक 5 है। मूलांक 8 का स्वामी शनि है तथा भाग्यांक 5 का स्वामी बुध है। मूलांक 8 एवं भाग्यांक 5 के बीच सम संबंध है। इसके प्रभाववश आपको मूलांक तथा भाग्यांक दोनों के ही मिलेजुले फल प्राप्त होंगे। रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में

आपको स्वयं की मेहनत के द्वारा धीरे-धीरे सफलताएं प्राप्त होंगी। आप अधिक मात्रा में धन संग्रहित करने में असमर्थता महसूस करेंगी। लेकिन समयोचित बुद्धि-विवेक एवं कड़ी मेहनत के द्वारा वांछित धन प्राप्त करने में अवश्य सफल होंगी, जिससे आपके दैनिक कार्यों में कभी कोई विशेष रुकावट नहीं आएगी। आपका भाग्योदय देरी से होगा और जो भी कार्य आप करेंगी उसमें विघ्न-बाधाएं आने की संभावनाएं बनी रहेंगी। आपका आलस्य आपके कार्यों में रुकावटें पैदा करेगा। अतः आज के कार्य को आज ही समाप्त कर लेंगे तो सफलताएं आपके इर्दगिर्द घूमेंगी। आपके अंदर कार्य करने की क्षमता अच्छी रहेगी। आप युवा अवस्था की अपेक्षा मध्य अवस्था से धन-दौलत पाना प्रारंभ करेंगी तथा अंतिम अवस्था में आपके पास अच्छी संपत्ति एकत्रित हो जाएगी। आपकी सामाजिक मान-मर्यादा अच्छी रहेगी।

आपका भाग्योदय 23 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ होगा तथा 32 वर्ष की अवस्था से आपको विशेष उन्नति प्राप्त होगी एवं 41 वर्ष की अवस्था पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 8 की 1 एवं 4 से मित्रता है तथा भाग्यांक 5 की 3 एवं 9 से मित्रता है। अतः आपके जीवन में 1, 3, 4, 5, 8, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनसे आपके जीवन में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से सम संबंध होने से मूलांक-भाग्यांक के प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगी, तो पाएंगी कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए जनवरी, मार्च, अप्रैल, मई, अगस्त, सितंबर के माह विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे। अतः आप कोई भी नया कार्य ऐसी तारीख, दिन तथा मास के दिन प्रारंभ करें, जिससे आपके मूलांक तथा भाग्यांक में मेल स्थापित हो तथा एक ही समय पर दोनों ही शुभ रहें।

मूलांक 8 एवं भाग्यांक 5 के प्रभाववश ईस्वी सन, जिनका योग 1, 3, 4, 5, 8, 9 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 1, 3, 4, 5, 8, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक होंगे।

1, 10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73

- 3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75
4 . 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67
5 . 14, 23, 32, 41, 50, 59, 68
8 . 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71
9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार बन जाएंगी।



नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Teena Mirchandani

4+5+5+5+1 4+1+2+3+5+1+5+4+1+5+1

नाम का योग : 52 नामांक : 7

आपके नाम का कुल योग बावन है। पाँच एवं दो के योग से सात आपका नामांक होता है। पाँच का स्वामी बुध है एवं दो का स्वामी चन्द्र तथा नामांक सात का स्वामी नेपच्यून है। इन तीनों ग्रहों के गुण अवगुण आपके नाम को प्रभावित करेंगे। बुध के प्रभाव से जल्दबाजी आपके स्वभाव में रहेगी जो आपके लिए हानि का कारण बन सकती है। आप हमेशा ऐसा रोजगार पसंद करेंगी, जिसमें कम मेहनत एवं लाभ अधिक हो। चन्द्र प्रभाव से आपके अन्दर शारीरिक कार्य करने की क्षमता कम रहेगी। आप बुद्धि विवेक के कार्यों में दूसरों से बाजी मार लेंगी। आत्म विश्वास आपका कई बार कमजोर होगा। आपको अपने ऊपर पूरा भरोसा रखना होगा। नेपच्यून के प्रभाव से आर्थिक सफलताएं आपको कम प्राप्त होंगी। यात्रा, पर्यटन सैर-सपाटा आपको अच्छा लगेगा तथा आप वही व्यापार पसंद करेंगी जिसमें यात्राएं होती रहें।

आपके नाम का नामांक 7 है। इसका आपके मूलांक 8 एवं भाग्यांक 5 से सम संबंध है। अतः आपको मूलांक स्वामी एवं भाग्यांक स्वामी ग्रहों के शुभ फल आपके नाम को पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं होंगे। इसके प्रभाव से आपका नाम समाज में पूर्ण प्रतिष्ठा प्राप्त करने में असमर्थ रहेगा। यदि आप मूलांक एवं भाग्यांक के ग्रहों का सम्पूर्ण फल प्राप्त करना चाहती हैं तो आप अपने नाम में इस प्रकार से परिवर्तन करें कि आपका नाम आपके मूलांक तथा भाग्यांक के साथ उत्तम तालमेल स्थापित कर ले। नाम में परिवर्तन करने के कारण आपको मूलांक स्वामी एवं भाग्यांक स्वामी ग्रह के पूर्ण फल प्राप्त होंगे तथा आपका नाम समाज के विभिन्न क्षेत्रों में लोकप्रियता प्राप्त करने में सफल रहेगा।

अपने नाम का अच्छा फल पाना चाहती हैं तो आप ऐसे नाम का चुनाव कीजिये जोकि आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से ही मिलान करें तथा उसका नामांक 8 आता हो और 2 न हो तो ऐसा नाम आपकी रुकी हुई प्रगति के द्वार खोलेगा तथा आप पूर्ण रूपेण सांसारिक सफलताएं अर्जित करेंगी। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 1,9,5 अंक शुभ रहेंगे तथा 6,3,4 अंक अहितकर होंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा

नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटाना:-	GANESHA $3+1+5+5+3+5+1=23=5$	GANESH $3+1+5+5+3+5=22=4$
एक अंक :-	RAM $2+1+4=7$	RAMA $2+1+4+1=8$
दो अंक :-	BINDRA $2+1+5+4+2+1=15=6$	BRINDRA $2+2+1+5+4+2+1=17=8$
तीन अंक :-	RAMCHAND $2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$	RAMCHANDRA $2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28=2$
चार अंक :-	KRISHNA $2+2+1+3+5+5+1=19=1$	KRESHNA $2+2+5+3+5+5+1=23=5$
पाँच अंक :-	TEWARI $4+5+6+1+2+1=19=1$	TIWARI $4+1+6+1+2+1=15=6$
छः अंक :-	AGGARWAL $1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$	AGARWAL $1+3+1+2+6+1+3=17=8$



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

सूर्य दिनांक 23 दिसंबर से 19 फरवरी तक, पाश्चात्य मत से सूर्य मकर एवं कुंभ राशि में रहता है तथा 14 जनवरी से 13 मार्च तक, भारतीय मत से, सूर्य मकर एवं कुंभ राशि में होता है जो शनि की अपनी राशियां है तथा 17 अक्टूबर से 13 नवंबर तक सूर्य तुला राशि में रहता है, जो शनि की उच्च राशि है। अतः उपर्युक्त समय मूलांक आठ के लिए कोई भी नया कार्य या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए अधिक उपयुक्त रहेंगे।

अनुकूल दिवस

किसी भी माह में पड़ने वाले शनिवार, रविवार एवं सोमवार आपके लिए अनुकूल दिवस हैं। आप अपना कोई भी महत्वपूर्ण कार्य या रोजगार-व्यापार संबंधी कार्य, विशिष्ट अधिकारी से संबंध आदि अपनी शुभ तारीखों में पड़ने वाले उपर्युक्त दिवसों में ही प्रारंभ करेंगे तो आपके लिए विशेष फलदायक रहेगा।

शुभ तारीखें

आपके लिए कोई भी नया कार्य, महत्वपूर्ण कार्य, रोजगार-व्यापार सम्बंधी कार्य, पत्र या दस्तावेज लिखने हेतु किसी भी अंग्रेजी माह की 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28 एवं 31 तारीखें अधिक अनुकूल रहेंगी। अतः आप कोशिश करें कि कोई भी महत्वपूर्ण कार्य उपर्युक्त तारीखों में ही संपन्न हो।

अशुभ तारीखें

किसी भी अंग्रेजी माह के दिनांक 3, 6, 12, 15, 21, 24 एवं 30, आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे। इन तारीखों में आप कोई भी नया कार्य, व्यापार, पत्र लेखन एवं उच्च तथा विशिष्ट अधिकारी से मिलने का कार्य न करें।

मित्रता या साझेदारी

जिन व्यक्तियों का जन्म 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28 एवं 31 तारीखों को अथवा 14 जनवरी से 13 मार्च तथा 17 अक्टूबर से 13 नवंबर के बीच हुआ हो, ऐसे व्यक्ति आपके लिए विशेष फलदायी रहेंगे। इनके सहयोग से आपको अच्छी उपलब्धियां प्राप्त होंगी।

प्रेम संबंध एवं विवाह

आप अपने रोजगार, व्यवसाय या प्रेम, विवाह संबंध इत्यादि में ऐसी स्त्री का चुनाव करें, जिसका मूलांक 1, 4, 8 हो तथा उसका जन्म किसी भी माह की 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28 एवं 31 तारीख को हुआ हो। ऐसी महिलाएं आपके रोजगार, व्यवसाय तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यों के लिए भी श्रेष्ठ फलदायक सिद्ध होंगी।

अनुकूल रंग

आपके लिए गहरा भूरा, काला, गहरा नीला, ककरेजी रंग शुभ होंगे। अपने घर के दरवाजे, पर्दे, चादर आदि का चुनाव भी इन्हीं रंगों के अनुरूप करें। यदि आपका स्वास्थ्य ठीक न हो तब आप इन्हीं रंगों के कपड़े पहनें एवं रुमाल हर समय अपने पास रखें, जिससे आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य करते समय भी इन्हीं रंगों के वस्त्रों को धारण करना आपके लिए विशेष फलदायक रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आप अपने लिए कॉम्प्लेक्स, फ्लैट या मकान का चुनाव पश्चिम दिशा में करें। आपका मूलांक 8 होने से आपके लिए पश्चिम दिशा उपयुक्त रहेगी तथा भवन क्रमांक का योग 8 हो तो अच्छा रहेगा। अतः आप इस दिशा में फ्लैट या मकान खरीद सकते हैं। आप चाहें तो शहर में पश्चिम दिशा, या भवन के पश्चिम क्षेत्र में निवास करें ऐसा करना आपके लिए लाभकारी रहेगा तथा अपने आवश्यक कार्य भी इसी दिशा की ओर बैठ कर संपन्न करेंगे तो लाभ होगा।

शुभ वाहन नं

आपके मूलांक 8 के 1 और 4 मित्र हैं। अतः आप जब भी कोई नया वाहन इत्यादि खरीदते हैं तो उसके पंजीकरण का योग इन्हीं अंकों में से एक होना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। उदाहरणार्थ वाहन पंजीकरण क्रमांक 5237 = 8। आप यदि वाहन में यात्रा करते हैं तब भी आपके लिए शुभ अंक 1,4,8 ही रहेंगे और यदि आप होटल में कमरा आदि बुक करवाते हैं तब उसके लिए आपका कमरा नंबर 107 = 8 का चयन करना ही उचित रहेगा।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी तब आपको वायु रोग, वात रोग, शारीरिक क्षीणता, अंध रोग, हृदय की कमजोरी, रक्त की कमी, मलबद्धता, कब्जियत, गठिया, रक्तचाप, सिर की पीड़ा, कुष्ठ रोग, मूत्र के रोग, गंजापन तथा कान-नाक में पीड़ा होगी। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट तथा विपत्ति के समय आपको शनि की पूजा एवं आराधना करनी चाहिए।

व्यवसाय

कसरत, खेल-कूद, कूद-फांद, पुलिस और सैन्य विभाग, ठेकेदारी, टीन-चद्दर आदि का कार्य, कुलीगिरी, लघु उद्योग, वकालत, ज्योतिष कार्य, वैज्ञानिक कार्य, मुर्गी पालन, बागबानी, कोयला और लकड़ी का व्यवसाय, घड़ीसाज, न्याय वेत्ता, नेतृत्व, नीति निर्धारक, धर्म-कर्म, यज्ञादि कर्ता, अध्यापन, संगीतज्ञ आदि कार्य।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



व्रतोपवास

शनिवार को शनि अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। शनिवार को काले, नीले वस्त्र धारण कर इक्कावन या उन्नीस शनिवारों को व्रत करें। शरीर में तेल मालिश, तेल दान तथा पीपल के वृक्ष की पूजा करें। शनि मंत्र का यथाशक्ति रुद्राक्ष माला पर जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

आपके लिए नीलम सबसे अधिक लाभकारी रहेगा। इसके न मिलने पर आप बैकॉक नीलम, लाजवर्त, काला नीली इत्यादि धारण कर सकते हैं। इसे आप शनि के दिन, शुक्ल पक्ष में, चौघड़िया मुहूर्त में, त्रिधातु या चांदी की अंगूठी में सवा तीन से सवा पांच रत्ती का नीलम बनवा कर दाहिने हाथ की मध्यमा उंगली की त्वचा को स्पर्श करता हुआ धारण करें। यह आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा।

अनुकूल देवता

आप शनि ग्रह की उपासना करें अथवा आपको बटुक भैरव की उपासना करना विशेष लाभप्रद रहेगा। आप नित्य रुद्राक्ष की माला पर बटुक भैरव के मंत्र का एक सौ आठ बार जप किया करें। इससे आपकी सभी समस्याएं, रोग इत्यादि दूर होंगे। बटुक भैरव का मंत्र इस प्रकार है- 'ह्रीं बटुकाय आपदुद्धारणाय कुरु-कुरु बटुकाय ह्रीं'। यह इक्कीस अक्षर का मंत्र सर्वसिद्धिदाता है। कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन बटुक भैरव की उपासना करना विशेष लाभप्रद रहेगा।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए शनि के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु शनि के गायत्री मंत्र का, प्रातः स्नान के बाद, ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

शनि गायत्री मंत्र - ॐ भगभवाय विद्महे मृत्युरुपाय धीमहि तन्नो शनिः प्रचोदयात् ।।

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप शनि का ध्यान करें, मन में शनि की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें :

नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् ।
छायामार्तडसंभूतं तं नमामि शनैश्चरम् ।।

ग्रह जप मंत्र

अशुभ शनि को अनुकूल बनाने हेतु शनि के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान दो सौ तीस माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः दबर्चिन्प्रप नमः ॥ जप संख्या 23000 ॥

वनस्पति धारण

आप शनिवार के दिन एक इंच लंबी विच्छु की जड़ ला कर, काले धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधे या शीशे या लोहे के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे शनि के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आप प्रत्येक शनिवार को एक बाल्टी या बर्तन में सुरमा, काले तिल, सौंफ, नागरमोथा और लोध आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ शनि के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आपको कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध को मिला कर चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर, भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

शनि की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को शनि के पदार्थ-तिल, उड़द, भैंस, लोहा, तेल, काला वस्त्र, नीलम, कुलथी, काली गौ, काले पुष्प, जूता, कस्तूरी, सुवर्ण आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

शनि को अनुकूल बनाए रखने हेतु शनि यंत्र को भोज पत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चन्दन) स्याही से लिख कर, सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में, शनिवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

